मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74.755g
चांदी 91.150kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 बंगलादेश के आतंकी संगठनों पर कब होगी सर्जिकल स्ट्राइक?

महाराष्ट्रीयन लुक में निकित

वर्ष :10 अंक :193 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , मंगलवार 13 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

मछली पालन के व्यवसाय में अपार संभावनाएं : डॉ शशीकांत

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मत्स्य विशेषज्ञ डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि मत्स्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद कानपुर नगर में उत्पादन 7363.1 टन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर देहात में 8716. 35 टन उत्पादन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक विधि से मछली उत्पादन को और बढ़ाया जा सकता है। किसान भाई मत्स्य पालन के साथ-साथ बत्तख, उद्यान, पशुपालन कर अतिरिक्त लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया की मछली एक शक्ति वर्धक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ है यह खाने में सुपाच्य होती है। और इसमें आवश्यक अमीनो एसिड तथा प्रोटीन भी अधिक मात्रा में पाई जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें वसा, कैल्शियम व खनिज भी पाए जाते हैं जिसके कारण संतुलित आहार में मछली की विशेष उपयोगिता है उन्होंने बताया की वर्षा का मौसम मछली पालने के लिए उपयुक्त है। मत्स्य व्यवसाय एक श्रम प्रधान व्यवसाय है। इस व्यवसाय में कम पूंजी लगाने पर अधिकतम लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालने के लिए तालाबों में उपस्थित खरपतवारो की सफाई कर ले। तालाबों में खरपतवार जैसे जलकुंभी, लैमिना, हाइड्रिला आदि होते हैं। अधिक जलीय वनस्पति होने की दशा में रसायनों का प्रयोग जैसे फरनेक्सान 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तालाब में प्रयोग कर सफाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया की मछलियों की बढ़वार में जल की छारीयता का विशेष महत्व है। मछली का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल की छारियता 7.5-8.5 तथा घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 5 मिलीग्राम प्रति लीटर आवश्यक होती है। जल की उत्पादकता छारीयता का निर्धारण करने के लिए गोबर की खाद और चूने का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि चूना जल की छारीयता का संतुलन करता है। वही गोबर की खाद से मछली का प्राकृतिक भोजन जिसे प्लेकटान कहते हैं उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जब तालाब की तैयारी हो जाए तो मत्स्य विभाग के माध्यम से मछली के बच्चों की बुकिंग करा लें उन्होंने बताया कि आमतौर पर मछली पालन हेतु भारतीय मछली जैसे मेजर कॉर्प, ग्रास कॉर्प और सिल्वर कॉर्प का चयन सबसे उपयुक्त रहता है उन्होंने बताया की मत्स्य पालक 1 हेक्टेयर तालाब से प्रतिवर्ष 2 से 3 लाख की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

LKO-1.pdf

अमर भारती

एक उम्मीद

संस्करण

मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 13 अगस्त 2024 शक सम्वत् 1946, श्रावण शु

मछली पालन व्यवसाय में अपार संभावनाएंः डॉ. शशीकांत

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मत्स्य विशेषज्ञ डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि मत्स्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद कानपुर नगर में उत्पादन 7363.1 टन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर देहात में 8716. 35 टन उत्पादन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक विधि से मछली उत्पादन को और बढ़ाया जा सकता है। किसान भाई मत्स्य पालन के साथ-साथ बत्तख, उद्यान,पशुपालन कर अतिरिक्त लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया की मछली एक शक्ति वर्धक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ है यह खाने में सुपाच्य होती है। और इसमें आवश्यक अमीनो एसिड तथा प्रोटीन भी अधिक मात्रा में पाई जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें वसा, कैल्शियम व खनिज भी पाए जाते हैं जिसके कारण संतुलित आहार में मछली की विशेष उपयोगिता है।उन्होंने बताया की वर्षा का मौसम मछली पालने के लिए उपयुक्त है। मत्स्य व्यवसाय एक श्रम प्रधान व्यवसाय है। इस व्यवसाय में कम पूंजी लगाने पर अधिकतम लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालने के लिए तालाबों में उपस्थित खरपतवारो की सफाई कर ले। तालाबों में खरपतवार जैसे जलकुंभी, लैमिना, हाइड्रिला आदि होते हैं। अधिक जलीय वनस्पति होने की दशा में रसायनों का प्रयोग जैसे फ़रनेक्सान 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तालाब में प्रयोग कर सफाई करनी चाहिए।

उन्होंने बताया की मछलियों की बढ़वार में जल की छारीयता का विशेष महत्व है। मछली का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल की छारियता 7.5-8.5 तथा घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 5 मिलीग्राम प्रति लीटर आवश्यक होती है। जल की उत्पादकता छारीयता का निर्धारण करने के लिए गोबर की खाद और चूने का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि चूना जल की छारीयता का संतुलन करता है। वही गोबर की खाद से मछली का प्राकृतिक भोजन जिसे प्लेकटान कहते हैं उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जब तालाब की तैयारी हो जाए तो मत्स्य विभाग के माध्यम से मछली के बच्चों की बुकिंग करा लें उन्होंने बताया कि आमतौर पर मछली पालन हेतु भारतीय मछली जैसे मेजर कॉर्प, ग्रास कॉर्प और सिल्वर कॉर्प का चयन सबसे उपयुक्त रहता है उन्होंने बताया की मत्स्य पालक 1 हेक्टेयर तालाब से प्रतिवर्ष 2 से 3 लाख की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
न्यूनतम तापमान 27.c
बाजार
सोना 74.755g
चांदी 91.150kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 बंगलादेश के आतंकी संगठनों पर कब होगी सर्जिकल स्ट्राइक? महाराष्ट्रीयन लुक में निकिता

वर्ष :10 अंक :193 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , मंगलवार 13 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में मना बलिदान दिवस

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

तत्पश्चात छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में स्वतंत्रता के दीवानों ने अपनी मातृभूमि, अपने देश की रक्षा और भारत माता की गुलामी की जंजीरों को काटने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया।हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा काकोरी रेल कांड का नामांकन काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है।इस अवसर पर डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी निदेशक, अधिष्ठाता ,विभाग अध्यक्ष एवं प्रोफेसर उपस्थित रहे।

मेडिक
लौटे ड्रा

यूपी मैसेंजर संव

कानपुर। अ
मेडिकल के डा
होने के कारण मे
सोमवार को मेडि
आवेदक कक्ष बं
गए साथ ही कुछ
लेकर काउंटर प
सीएमओ काय
विभाग भेजे गए
अपनी वापसी क
स्थान सीएचसी
दे कि मेडिकल
मेडिकल बनवा
संख्या लगातार क
थी। इसके साथ
छोपमारी का भी
जिसको लेकर
विभाग में मेडिक
वापस सीएचसी
चौबेपुर से डाक्टर
को पहुंच कर चा
भी विभाग में न
होने से आवेदक
का सामना करना
लिए आवेदको क

ष महत्व
उत्पादन
जल की
ा घुलित
ात्रा 5
ावश्यक
पादकता
करने के
का प्रयोग
कि चूना
न करता
छली का
लेकटान
ोंने कहा
जाए तो
ाछली के
उन्होंने
ी पालन
र कॉर्प,
का चयन
ने बताया
तालाब
आमदनी

लखनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 26 अंक : 36 लखनऊ, मंगलवार 13 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मछली पालन के व्यवसाय में अपार संभावनाएं :डॉ शशीकांत

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मत्स्य विशेषज्ञ डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि मत्स्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद कानपुर नगर में उत्पादन 7363.1 टन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर देहात में 8716. 35 टन उत्पादन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक विधि से मछली उत्पादन को और बढ़ाया जा सकता है। किसान भाई मत्स्य पालन के साथ-साथ बत्तख, उद्यान,पशुपालन कर अतिरिक्त लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया की मछली एक शक्ति वर्धक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ है यह खाने में सुपाच्य होती है। और इसमें आवश्यक अमीनो एसिड तथा प्रोटीन भी अधिक मात्रा में पाई जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें वसा, कैल्शियम व खनिज भी पाए जाते हैं जिसके कारण संतुलित आहार में मछली की विशेष उपयोगिता है।उन्होंने बताया की वर्षा का मौसम मछली पालने के लिए उपयुक्त है। मत्स्य व्यवसाय एक श्रम प्रधान व्यवसाय है। इस व्यवसाय में कम पूंजी लगाने पर अधिकतम लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालने के लिए तालाबों में उपस्थित खरपतवारो की सफाई कर ले। तालाबों में खरपतवार जैसे जलकुंभी, लैमिना, हाइड्रिला आदि होते हैं।

अधिक जलीय वनस्पति होने की दशा में रसायनों का प्रयोग जैसे फ़रनेक्सान 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तालाब में प्रयोग कर सफाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया की मछलियों की बढ़वार में जल की छारीयता का विशेष महत्व है। मछली का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल की छारियता 7.5-8.5 तथा घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 5 मिलीग्राम प्रति लीटर आवश्यक होती है। जल की उत्पादकता छारीयता का निर्धारण करने के लिए गोबर की खाद और चूने का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि चूना जल की छारीयता का संतुलन करता है। वही गोबर की खाद से मछली का प्राकृतिक भोजन जिसे प्लेकटान कहते हैं उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जब तालाब की तैयारी हो जाए तो मत्स्य विभाग के माध्यम से मछली के बच्चों की बुकिंग करा लें उन्होंने बताया कि आमतौर पर मछली पालन हेतु भारतीय मछली जैसे मेजर कॉर्प, ग्रास कॉर्प और सिल्वर कॉर्प का चयन सबसे उपयुक्त रहता है उन्होंने बताया की मत्स्य पालक 1 हेक्टेयर तालाब से प्रतिवर्ष ? 2 से 3 लाख की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

अमर भारती
एक उम्मीद
संस्करण
मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 13 अगस्त 2024 शक सम्वत् 1946, श्रावण शु

शिक्षा
ज्ञापन

त्रों को उनकी
नदीकी विद्यालयों
जाए, कैशलैस
धा, सीसीएल,
काश की संख्या
निवृत्ति की आयु
समेत मुख्यमंत्री
धित सात सूत्रीय
बेसिक शिक्षा
कार्यालय के
संजय वर्मा को
ठान संगठन के
द्र प्रताप सिंह,
जला कोषाध्यक्ष,
प्रभारी मनोज
कुमार, नीलम
आधा सैकड़ा से
उपस्थित रहे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में मना बलिदान दिवस

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में स्वतंत्रता के दीवानों ने अपनी मातृभूमि,अपने देश की रक्षा और भारत माता की गुलामी की जंजीरों को काटने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया।हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा काकोरी रेल कांड का नामांकन काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है। इस अवसर पर डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर सी एल मौर्य,डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभाग अध्यक्ष एवं प्रोफेसर उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-225 मंगलवार, 13 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य-

मिलान या गले लगाने से संक्रमण नहीं होता

मछली पालन के व्यवसाय में अपार संभावनाएं, किसान कम लागत में अधिक आय करें अर्जित- डॉक्टर शशीकांत

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मत्स्य विशेषज्ञ डॉक्टर शशीकांत ने बताया कि मत्स्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद कानपुर नगर में उत्पादन 7363.1 टन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर देहात में 8716. 35 टन उत्पादन प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक विधि से मछली उत्पादन को और बढ़ाया जा सकता है। किसान भाई मत्स्य पालन के साथ-साथ बत्तख, उद्यान,पशुपालन कर अतिरिक्त लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया की मछली एक शक्ति वर्धक एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ है यह खाने में सुपाच्य होती है। और इसमें आवश्यक अमीनो एसिड तथा प्रोटीन भी अधिक मात्रा में पाई जाती है। इसके अतिरिक्त इसमें वसा, कैल्शियम व खनिज भी पाए जाते हैं जिसके कारण संतुलित आहार में मछली की विशेष उपयोगिता है।उन्होंने बताया की वर्षा का मौसम मछली पालने के लिए उपयुक्त है। मत्स्य व्यवसाय एक श्रम प्रधान व्यवसाय है। इस व्यवसाय में कम पूंजी लगाने पर अधिकतम लाभ अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालने के लिए तालाबों में उपस्थित खरपतवारो की सफाई कर ले। तालाबों में खरपतवार जैसे जलकुंभी, लैमिना, हाइड्रिला आदि होते हैं। अधिक जलीय वनस्पति होने की दशा में रसायनों का प्रयोग जैसे फ़रनेक्सान 8 से 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तालाब में प्रयोग कर सफाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया की मछलियों की बढ़वार में जल की छारीयता का विशेष महत्व है। मछली का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल की छारियता 7.5-8.5 तथा घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 5 मिलीग्राम प्रति लीटर आवश्यक होती है। जल की उत्पादकता छारीयता का निर्धारण करने के लिए गोबर की खाद और चूने का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि चूना जल की छारीयता का संतुलन करता है। वही गोबर की खाद से मछली का प्राकृतिक भोजन जिसे प्लेकटान कहते हैं उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि जब तालाब की तैयारी हो जाए तो मत्स्य विभाग के माध्यम से मछली के बच्चों की बुकिंग करा लें उन्होंने बताया कि आमतौर पर मछली पालन हेतु भारतीय मछली जैसे मेजर कॉर्प, ग्रास कॉर्प और सिल्वर कॉर्प का चयन सबसे उपयुक्त रहता है उन्होंने बताया की मत्स्य पालक 1 हेक्टेयर तालाब से प्रतिवर्ष ? 2 से 3 लाख की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

ा से मुद्रित करवाकर ग्राम गढ़िया, नरसू पोस्ट हथोड़ा वन एटा से प्रकाशित। 9411932483 फ़ोन नंबर 05740 29011109 -उपसंपादक सौरभ गुप्ता, नंबर 9719875356,
shm@gmail.com नोट-समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेख इत्यादि से संपादक सहमत होना आवश्यक नही है, और कोई भी कानूनी वाद-विवाद एटा न्यायालय में तय होगा।

सीएसए में मनाया गया बलिदान दिवस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में स्वतंत्रता के दीवानों ने अपनी मातृभूमि,अपने देश की रक्षा और भारत माता की गुलामी की जंजीरों को काटने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया।हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा काकोरी रेल कांड का नामांकन काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है। इस अवसर पर डॉर मनीष कुमार, डॉ सी एल मौर्य, डॉ. पीके सिंह, डॉ. पी के उपाध्याय सहित सभी निदेशक, अधिष्ठाता ,विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर आदि मौजूद रहे।

स्ट्रीट लाइ

कानपुर 1
नगर निगम
फेल हो गई
46 हजार
पड़ी है और
पर शाम हो
जिससे होक
को दुघर्टना
बताते है
ज्यादा खरा
पार्षद सुनी
पर चढ़कर
को मजबूर

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-225 मंगलवार, 13 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य-

सीएसए में मनाया गया बलिदान दिवस

रहस्य संदेश ब्यूरो

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में स्वतंत्रता के दीवानों ने अपनी मातृभूमि,अपने देश की रक्षा और भारत माता की गुलामी की जंजीरों को काटने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया।हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा काकोरी रेल कांड का नामांकन काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है। इस अवसर पर डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर सी एल मौर्य,डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी निदेशक, अधिष्ठाता ,विभाग अध्यक्ष एवं प्रोफेसर उपस्थित रहे।

वर्ष : 6 अंक : 243 जौनपुर मंगलवार, 13 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य : 4 रुपये

RNI NO : UTTHIN/2018/76731

www.thegramtoday.com

दि ग्राम टुडे

गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर

पेज: 07 पर

हावड़ा के जिला
सम्पादक परवेज
व्य-अनुष्ठान का
वालन 'शब्दाक्षर'
ध्यक्ष दक्षिण
। डॉ. उर्वशी
ने किया तथा
पन जिला संगठन
काश चौबे ने
य-सम्मेलन में
दाधिकारियों के
कोलकाता
शेष उल्लेखनीय
ल अनवर, मुन्नी
ंह, सेराज खान
, जफर रायपुरी,
गौरी शंकर दास,

ी कृष्णा
म्मान

या कप फुटबॉल
के मूक एवं बधिर

सीएसए में मनाया गया बलिदान दिवस

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में बलिदान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में स्वतंत्रता के दीवानों ने अपनी मातृभूमि,अपने देश की रक्षा और भारत माता की गुलामी की जंजीरों को काटने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया।हम उन सभी वीरों की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा काकोरी रेल कांड का नामांकन काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया गया है। इस अवसर पर डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर सी एल मौर्य,डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी निदेशक, अधिष्ठाता ,विभाग अध्यक्ष एवं प्रोफेसर उपस्थित रहे।

जिला दिव्यांग
अधिनियम, 2

दि ग्राम टुडे,कानपुरे (
जिलाधिकारी की अध्
में हुई बैठक का संचा
बैठक के सरकारी सं
दिव्यांगजन का राशन
अधिनियम 2016 ला

रखो जिसमें विकास
दिव्यांगजन के राशन
ऋण दिलाने, दिव्यां
दियोदिव्यांग बन्धु के
देने, यू.डी.आई. कार्ड
ई - बसों में निःशुल्क
दी बैठक में दिव्यांग ब
अधिकारी मौजूद रहे